सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

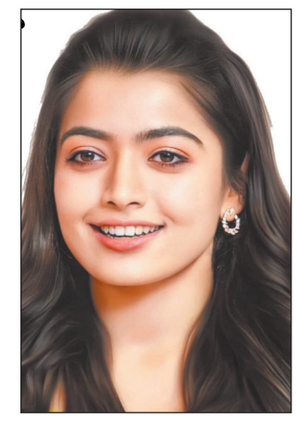

शिवसेना जिला संगठन मंत्री बने हरकेश चंद पेज: 6

रणबाली से लेकर कॉकटेल 2 में नजर आयेगी.. पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 08 | गुरूवार 09 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर(एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ

के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले— कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- हम अभी नहीं देखेंगे...

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए गोपनीय रिकॉर्ड की जांच करने से इनकार कर दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सुनवाई खुली अदालत के बजाय जज के चेंबर में आयोजित की गई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया था।

इससे पहले की सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था कि राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से संबंधित शिकायतों पर अब तक क्या प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके बाद अदालत ने स्वयं गृह मंत्रालय से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड तलब किए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, बेंच ने इन दस्तावेजों का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया। हाईकोर्ट की

वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित थे, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि वह इस स्तर पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करती है, इसलिए रिकॉर्ड को नहीं देखा गया।

यह पूरी कानूनी प्रक्रिया भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि किसी नागरिक की नागरिकता तय करने का वैधानिक अधिकार उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की है। हाईकोर्ट में हुई इस सुनवाई के बाद अब मामले की अगली तारीख 15 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है, जबकि निचली अदालत ने तकनीकी आधार पर इसे खारिज कर दिया था। अब 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि क्या इस मामले में हस्तक्षेप की कोई कानूनी गुंजाइश है या नहीं। फिलहाल, राहुल गांधी के लिए राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने केंद्र के रिकॉर्ड पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी या तत्काल जांच शुरू नहीं की है।

सीएम नीतिश ने 4954 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 4954 एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) को नियुक्ति पत्र बांटा है। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद रहे। यह कदम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों पर नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये नियुक्तियां लंबे समय से लंबित प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार का उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। एएनएम स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, जो टीकाकरण, प्रसव सेवाओं और प्राथमिक चिकित्सा में अहम रोल निभाती हैं। इतनी बड़ी संख्या में एएनएम की नियुक्ति को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पहल से बिहार सरकार न केवल रोजगार सृजित कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने की दिशा में भी मजबूत कदम उठा रही है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल सीजफायर पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... पाकिस्तान को थैंक्यू नोट, भारत को मिला तेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच करीब 40 दिनों से जारी तनाव के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा कर दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया है। इस बीच भारत में इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी टिप्पणी करते हुए विभिन्न देशों की भूमिका पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिला, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला और भारत को उसका तेल मिल गया। दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई।÷ प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया के जरिए यह भी सवाल उठाया कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में भारत की भूमिका को लेकर हो रही आलोचना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह युद्ध भारत का नहीं था, इसलिए भारत की सीधी भागीदारी की अपेक्षा करना तर्कसंगत नहीं है। शिवसेना (उद्धव गुट)

की नेता प्रियंका ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह सीजफायर उसके लिए ÷एक ऐसे दलाल÷ की तरह है, जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का दावा करता है। यह टिप्पणी उन्होंने भारत के विदेश मंत्री के उस बयान के संदर्भ में की, जो सर्वदलीय बैठक में दिया गया था। वहीं, युद्धविराम को लेकर ईरान ने अमेरिका के सामने 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है। इसमें भविष्य में हमले न करने, लेबनान पर कार्रवाई रोकने और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई जैसी शर्तें शामिल हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, मध्य पूर्व में स्थिरता कायम करने के लिए 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच अहम बैठक भी प्रस्तावित है। अब वैश्विक समुदाय की नजर इस वार्ता और सीजफायर की स्थिरता पर टिकी हुई है।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

सावरकुंडला-खांभा क्षेत्र में लगातार हल्के भूकंप के झटके; 3.58 तीव्रता का सबसे बड़ा झटका दर्ज

अमरेली (एजेंसी)। सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इन सभी झटकों की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है। झटकों की शुरुआत सुबह 4:15 बजे 1.8 तीव्रता के साथ हुई, जिसके ठीक एक मिनट बाद 4:16 बजे 2.3 तीव्रता का झटका महसूस हुआ। इसके बाद 4:24 बजे 1.0 और 4:57 बजे 1.4 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। सुबह 7:00 बजे फिर 2.2 तीव्रता का झटका आया, जबकि 7:15 बजे दिन का सबसे तेज झटका 3.58 तीव्रता का दर्ज किया गया। इस दौरान घरों की वस्तुएं तक हिलने लगीं, जिससे लोगों में डर का माहौल और गहरा गया। इसके बाद भी 7:51 और 8:57 बजे 1.5-1.5 तीव्रता के झटके महसूस होते रहे।

सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अमरेली से करीब 43 किलोमीटर दूर स्थित था। लगातार आ रहे झटकों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं यह किसी बड़े भूकंप का संकेत तो नहीं। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

भाजपा ने उठाए देरी पर सवाल, राहुल गांधी के इशारे पर बयान देने का लगाया आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ÷देर आए दुरुस्त आए।÷ अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया?

गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है। अब देखना होगा कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा किस तरह से उभरता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत का हरित उत्थान

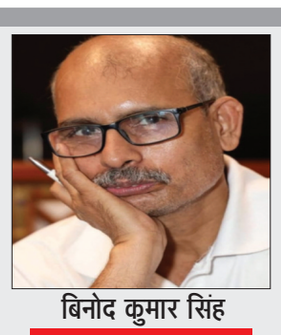

बिनोद कुमार सिंह

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

ईरान - इजराईल -अमेरिका तनाव और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता की नई इबारत...

विश्व व्यवस्था के वर्तमान दौर में ऊर्जा केवल विकास का ईंधन नहीं, बल्कि सामरिक शक्ति,कूटनीतिक प्रभाव और आर्थिक स्थिरता का मूलाधार बन चुकी है।आज जब पश्चिम एशिया में ईरान,ईराक और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा संतुलन को अस्थिर कर दिया है,तब भारत का नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँचना केवल उपलब्धि नहीं,बल्कि एक दूरदर्शी राष्ट्रीय संकल्प की परिणति है।पश्चिम एशिया,जिसे विश्व की ऊर्जा धुरी कहा जाता है,लंबे समय से भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है।ईरान और अमेरिका के बीच टकराव, ईरान की आंतरिक जटिलताएँ और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ आज उस स्थिति की ओर संकेत कर रही हैं जहाँ ऊर्जा आपूर्ति किसी भी क्षण बाधित हो सकती है।होर्मुज जलडमरूमध्य, जहाँ से विश्व के एक बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है,इस तनाव का सबसे संवेदनशील बिंदु बन चुका है।यदि इस मार्ग में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है,तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा–तेल की कीमतों में उछाल,महँगाई में वृद्धि और विकास की गति में मंदी के रूप में।भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्र के लिए यह परिदृश्य एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है, इसका प्रमुख स्रोत यही पश्चिम एशिया है।ऐसे में वहाँ की अस्थिरता भारत की आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है।किंतु भारत ने इस चुनौती को केवल संकट के रूप में नहीं देखा,बल्कि इसे अवसर में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।पिछले एक दशक में भारत ने अपनी ऊर्जा नीति को पुनर्परिभाषित किया है।जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी,स्वच्छ तथा सतत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक रणनीति अपनाई गई है।इसी का परिणाम है कि आज भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है।केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस परिवर्तन की गवाही देते हैं।वर्ष

2025-26 भारत के ऊर्जा इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है।इस वर्ष 55 गीगावॉट से अधिक की गैर-जीवाश्म क्षमता वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं,बल्कि क्रियान्वयन के स्तर पर भी नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान सर्वाधिक है।सौर ऊर्जा ने 150 गीगावॉट का आँकड़ा पार कर लिया है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत ने सूर्य की शक्ति को अपनी ऊर्जा रणनीति का केंद्र बना लिया है।पवन ऊर्जा भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरी है। 56 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता यह दशार्ती है कि भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया है। इन दोनों स्रोतों - सौर और पवन–का संयुक्त योगदान अब देश के कुल बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।वर्ष 2025-26 में इनसे 276 बिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन हुआ, जो कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है।यह परिवर्तन केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सोच में आए व्यापक बदलाव का प्रतीक है।एक समय था जब भारत की ऊर्जा व्यवस्था कोयला और आयातित तेल पर आधारित थी,लेकिन आज वही व्यवस्था हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर है।यह बदलाव न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अनिवार्य बन चुका है।

भारत ने इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल की जब जून 2025 में उसने अपने कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर लिया।यह लक्ष्य पेरिस समझौता के तहत 2030 के लिए निर्धारित था,जिसे भारत ने पाँच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया। यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करती है।

सरकार की नीतिगत पहलों ने इस परिवर्तन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।सौर उपकरणों पर करों में कमी, बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाओं ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे भविष्य का ईंधन माना जा रहा है,भारत को ऊर्जा निर्यातक देश बनने की दिशा में अग्रसर कर सकता है।ऊर्जा क्षेत्र में यह क्रांति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह रोजगार,निवेश और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही है।सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।हालाँकि इस विकास यात्रा में कुछ चुनौतियाँ भी हैं। ऊर्जा भंडारण की सीमित क्षमता,ग्रिड अवसंरचना का विस्तार,भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याएँ अभी भी सामने हैं।जिस प्रकार भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है,उससे यह विश्वास मजबूत होता है कि आने वाले समय में इन बाधाओं को भी पार कर लिया जाएगा।

ईरानझ इजराईल- अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। भारत ने इस सच्चाई को समय रहते समझ लिया और अपनी ऊर्जा नीति को उसी अनुरूप ढाल लिया। यही कारण है कि आज जब विश्व ऊर्जा संकट की आशंका से घिरा हुआ है, तब भारत एक स्थिर और आत्मनिर्भर ऊर्जा मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। निस्संदेह,यह समय ऊर्जा कूटनीति का है,जहाँ संसाधनों का नियंत्रण ही शक्ति का निर्धारण करता है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से इस शक्ति को हासिल करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं,बल्कि भविष्य की अनिवार्यता भी है।

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

संपादकीय

मंडी पोर्टलों की बाधा

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का आहार है साधना

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किए हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधता क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो?

हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे और इसीलिए उन्होंने दिव्यता के अनंत

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

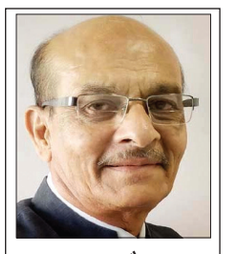

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शांति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पाकिस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी

हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थाई रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शामिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रपति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाडी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर दिये हैं। अमेरिका की जो साख दुनिया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बट्टा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध विराम की जरूरत थी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दुनिया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्वाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

णमोकार महामंत्रः श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

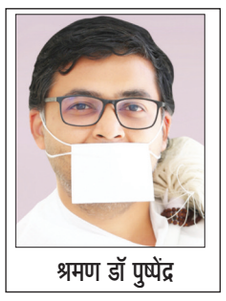

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है.-

'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं।'

यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश

णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है, केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्रा' है।

णमोकार महामंत्र में पांच पद है, 35 अक्षर है। इनमें 11 अक्षर लघु हैं, 24 गुरु हैं, 15 दीर्घ हैं और 20 ह्रस्व हैं। 35 स्वर हैं और 34 व्यंजन हैं। यह एक अद्वितीय बीज संयोजना है। णमो अरिहंताणं में सात अक्षर है, णमो सिद्धाणं में पांच अक्षर हैं, णमो आयरियाणं में सात अक्षर हैं, णमो उवज्झायाणं में सात अक्षर है, णमो लोए सव्व साहूणं में नौ अक्षर हैं। इस प्रकार इस महामंत्र में कुल 35 अक्षर हैं। स्वर और व्यंजन का विश्लेषण करने पर नमो अरिहंताणं में 7 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो सिद्धाणं में 5 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो उवज्झायाणं में 7 स्वर और 7 ही व्यंजन हैं। नमो लोए सव्व साहूणं में 6 स्वर तथा 6 व्यंजन हैं। इस प्रकार नमोकार महामंत्र में 35 स्वर और 34 व्यंजन हैं। यह महामंत्र जैन आराधना और साधना का ध्रुव केन्द्र है, इसकी शक्ति अपरिमेय है। इस महामंत्र के वर्णों के संयोजन पर चिन्तन करें तो यह बड़ा अद्भुत और पूर्ण वैज्ञानिक है। इसके बीजाक्षरों को आधुनिक शब्द विज्ञान की कसौटी पर कसने पर साधक यह पाते हैं कि इसमें विलक्षण ऊर्जा है और शक्ति का भण्डार छिपा हुआ है। प्रत्येक अक्षर का विशिष्ट अर्थ है, प्रयोजन और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन

इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया हैकृअरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओंकृराग, द्वेष, मोह और वासनाओंकृपर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया।

सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्ष में स्थित हैं।

आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं।

साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं।

जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष, सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति

श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्रस्वरूप है और इसका जप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना

णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 35 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है।

आधुनिक ध्वनि-विज्ञान के अनुसार, मंत्रोच्चारण से उत्पन्न कंपन मानसिक और शारीरिक संतुलन में सहायक होते हैं। प्रत्येक अक्षर में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मजागरण की क्षमता निहित है।

आत्मजागरण का मार्ग

णमोकार महामंत्र बाह्य आडंबरों से हटाकर साधक को आत्मा के शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाता है। इसमें भौतिक उपलब्धियों की कामना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति का मार्ग निहित है। यह समता, विनय और करुणा का संदेश देता है।

वास्तव में, णमोकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मूल मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आत्मजागरण का शाश्वत उद्घोष है। गुणों की आराधना ही आत्मा को परम शांति और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करती है और यही इस महामंत्र का सार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विश्व नवकार महामंत्र दिवस

यातायात पुलिस की सजगता से बची गंभीर रूप से घायल युवक की जान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद पुलिस ने एक बार फिर से मानवता की मिसाल पेश की है। यातायात पुलिस की सजगता से एक गंभीर घायल युवक की जान बच गई। आपको बता दे कि यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह और उनकी टीम जोया रोड से पुलिस कार्यालय की ओर आ रहे थे, तभी गैस गोदाम के पास एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा मिला। पुलिस टीम ने बिना समय

गंवाए एंबुलेंस बुलाकर घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। घायल व्यक्ति के शरीर से काफी रक्त बह चुका था, लेकिन समय रहते उपचार मिलने से उसकी जान बच गई। घायल की पहचान शिवकुमार पुत्र रूपेश निवासी ग्राम मोडी काठ थाना कांठ जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई है। घायल के परिजनों ने अमरोहा पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने उक्त सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए टीम को कॉप़ ऑफ द डे घोषित किया है।

गोवंशीय पशुओं की कथित तस्करी की सूचना पर रात में दौड़ी पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार की रात्रि लगभग 12:00 बजे थाना मण्डी धनौरा को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति एक पिकअप वाहन में गोवंशीय पशुओं को भरकर रानी बस्तौरा के जंगल क्षेत्र से ले जाने वाले हैं, जिससे गौतस्करी की आशंका व्यक्त की गई। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल क्षेत्राधिकारी अंजली कटारिया, प्रभारी निरीक्षक थाना मण्डी धनौरा अमरपाल व चौकी प्रभारी शेरपुर उ0नि0 नवीन भाटी मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे एवं संदिग्ध वाहन/व्यक्तियों को चिन्हित कर जांच की गई। पुलिस के जांच करने पर पता चला कि कुछ व्यक्तियों द्वारा गोवंशीय बछड़ों को पिकअप वाहन में लादा जा रहा था, जिन्हें

पुलिस द्वारा तत्काल रोककर विस्तृत पूछताछ एवं सत्यापन किया गया। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि मनवीर पुत्र हरफुल सिंह निवासी ग्राम चकनवाला थाना गजरौला जनपद अमरोहा तथा उसके साथियों द्वारा विगत लगभग 20 वर्षों से गौशाला संचालित की जा रही है। उनके द्वारा कुल लगभग 08 गोवंशीय बछड़ों को उत्तराखंड राज्य के जनपद टिहरी गढ़वाल के निवासी मनीष चौहान, जयवीर, आकाश, महावीर एवं हर्षी रानी पूनियाल को कृषि कार्य हेतु विक्रय किया गया था, जिनमें से लगभग 04 बछड़ों को वाहन में लादा जा रहा था। पूछताछ में संबंधित व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में सीढ़ीनुमा (पहाड़ी) खेती होने के कारण ट्रैक्टर आदि मशीनों का उपयोग संभव नहीं है तथा कृषि कार्य बैलों के माध्यम से किया जाता है। इसी उद्देश्य से वे बछड़ों को क्रय कर अपने गांव ले जा रहे थे। गौतस्करी अथवा किसी अवैध गतिविधि से संबंधित कोई तथ्य प्रकाश में नहीं आया।

पुलिस द्वारा जांच के बाद पाया गया कि गोवंशीय पशुओं का परिवहन कृषि कार्य हेतु किया जा रहा था तथा प्रकरण में गौतस्करी अथवा किसी अन्य आपराधिक कृत्य का कोई साक्ष्य प्रकाश में नहीं आया है। इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति पूर्णतः सामान्य है।

जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्र सेवी संगठन का जोरदार प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर और ग्रामीण क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर बुधवार को राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय में सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने प्रदेश सरकार की नीतियों के पालन में स्थानीय प्रशासन की ढिलाई पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1 अप्रैल से सरकारी केंद्रों पर गेहूं की खरीद शुरू करने के आदेश दिए थे, लेकिन विडंबना यह है कि हसनपुर क्षेत्र में अब तक

खरीद प्रक्रिया ठप पड़ी है। किसान अपनी उपज लेकर परेशान हैं।

इसके अलावा, उन्होंने खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र के पात्र गरीबों के राशन कार्ड काट दिए गए हैं। उन्होंने मांग की कि वंचित परिवारों के नाम तुरंत सूची में जोड़े जाएं ताकि उन्हें सरकारी राशन मिल सके।

संगठन ने अन्य स्थानीय समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि लगाए गए स्मार्ट मीटर गलत रीडिंग दे रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। हसनपुर नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को लाभ न मिलने पर रोष प्रकट किया गया। हसनपुर से भदौरा को जाने वाला मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।प्रशासन की अनदेखी के चलते जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। अगर गेहूं की खरीद तुरंत शुरू नहीं हुई और जर्जर सड़कों की मरम्मत न की गई, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मोनू अग्रवाल, गजराज सिंह , भूपेंद्र सिंह, सुरभित गुप्ता एड, संजीव कुमार,सहित संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन ने ज्ञापन लेकर उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गजरौला में शॉर्ट सर्किट से कन्फेक्शनरी की दुकान में लगी आग,लाखों का सामान जला

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला में एक कन्फेक्शनरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई जिस दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया इस हादसे से दुकान स्वामी को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

बता दें कि पूरा मामला गजरौला नगर के मोहल्ला सुल्तान नगर का है जहां पर मंगलवार की देर रात एक कन्फेक्शनरी में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा लाखों रुपये

का सामान जलकर राख हो गया। सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं उठते देखा और तुरंत दुकान स्वामी को सूचना दी। दुकान स्वामी रिफाकत अली मौके पर पहुंचे तो आग से हुए नुकसान को देखकर हैरान रह गए। मामले में जानकारी देते हुए दुकान स्वामी रिफाकत अली ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत हो रही है। उन्होंने जानकारी दी कि रात में बिजली की समस्या थी और वह दुकान बंद करके घर चले गए थे।आग से दुकान में रखा करीब 3.50 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। इस घटना से दुकान मालिक को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को मिलेगा आपदाओं से हुआ नुकसान का लाभ

अमरोहा (सब का सपना):- भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित रबी 2025-26 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों को प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ने बताया कि गेहूँ, सरसों एवं आलू की फसलें बीमा कवर में शामिल हैं। यदि इन फसलों को आकाशीय बिजली, रोगों, कीटों, सूखा, बाढ़, ओला, भूस्खलन, तूफान, जलभराव आदि प्राकृतिक आपदाओं से क्षति

होती है तो बीमित किसान क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं। क्षति की शिकायत दर्ज करने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 पर कॉल किया जा सकता है। इसके अलावा संबंधित क्षेत्रीय कृषि कर्मचारियों, राजकीय कृषि बीज भंडार, उप कृषि निदेशक कार्यालय अमरोहा एवं जिला कृषि अधिकारी अमरोहा के कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।योजना के अंतर्गत दो प्रकार की क्षतियों को कवर किया गया है। व्यापक आपदाओं में प्रतिकूल मौसम के कारण पूरे ग्राम पंचायत में 75 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में बुवाई न हो पाने या असफल बुवाई, खड़ी फसलों को सूखा, बाढ़, ओला, आकाशीय बिजली आदि से क्षति तथा बुवाई के एक माह बाद से कटाई के 15 दिन पहले तक 50 प्रतिशत से अधिक उपज क्षति शामिल है।

स्थानिक आपदाओं में ओलावृष्टि, जलभराव, भूस्खलन, बादल फटना, आकाशीय बिजली से आग, तथा कटाई के बाद 14 दिनों तक खेत में रखी फसल को ओला, चक्रवात या बेमौसम बारिश से होने वाली क्षति शामिल है।किसान भाइयों से अपील है कि फसल क्षति होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय पर बीमा राशि प्राप्त हो सके।

पत्रकारिता की आड़ में अवैध क्लिनिक का संचालन, स्वास्थ्य विभाग ने किया क्लीनिक सील

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पत्रकारिता की आड़ में अवैध तरीके से क्लीनिक का संचालन करना एक युवक को भारी पड़ गया। सूत्रों की माने तो बताया जाता है कि पहले तो वह युवक लगातार झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ अक्सर खबरें प्रकाशित करता था। बताया जाता हैं कि यह युवक खबरें छापने की आड़ में डॉक्टरो से अवैध धन उगाही भी करता था। लेकिन अब स्वयं ही स्वास्थ्य विभाग के हत्थे चढ़ गया और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा इसका क्लीनिक सील कर दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र के गांव आदमपुर में सीएचसी प्रभारी रहरा शशांक चौधरी के द्वारा बुधवार को एक अवैध तरीके से संचालित झोलाछाप डॉक्टर की दुकान को सील कर दिया गया है वहीं अब झोलाछाप डॉक्टर पर मुकदमा पंजीकृत कराने की तैयारी है। इस विषय में जब हमने शशांक चौधरी से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर का नाम मिराजुल हसन है वह संभल का रहने वाला है पहले तो वह लगातार क्षेत्र में डॉक्टरो के खिलाफ खबरें प्रकाशित करने का कार्य करता था और उनसे खबर न छापने की कहकर अवैध धन उगाही भी करता था।

इतना ही नहीं अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए वह लगातार डॉक्टरो को अपना निशाना बनाता रहता। इसके बाद मुझे पता चला कि आदमपुर में एक व्यक्ति मिराजुल हसन नामक व्यक्ति पत्रकारिता की आड़ में फर्जी तरीके से क्लीनिक का संचालन कर रहा है। जब हम मौके पर पहुंचे तो देखा कि मिराजुल हसन दुकान छोड़कर भाग गया। इसके बाद हमारे द्वारा क्लीनिक को सील करने की कार्यवाही की गई है और अब उस पर मुकदमा लिखवाने की तैयारी है।

वही शशांक चौधरी कहते हैं कि हमारे द्वारा ऐसे अवैध क्लिनिको के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और आगे भी कार्यवाही की जाती रहेगी। वहीं उन्होंने कहा की आम जनमानस से मेरी अपील है कि वह अवैध क्लीनिकों से दूर रहे और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकारी अस्पतालों का रुख करें हम आपकी सेवा में बैठे हैं।

झोलाछाप डॉक्टर बनाम फर्जी पत्रकार

अब इस युवक पर सवाल उठता है कि अगर यह व्यक्ति असल में पत्रकार है तो फिर यह अवैध तरीके से क्लीनिक संचालित क्यों कर रहा था या फिर यूं कहें कि यह व्यक्ति लोगों को डरा धमका कर उनसे अवैध वसूली का धंधा कर और फर्जी तरीके से खबरें छापने के नाम पर झोलाछाप डॉक्टरों से अवैध धन उगाही करने का कार्य करता था? तब सवाल उठता है कि यह पत्रकार कैसे हो सकता है? वहीं दूसरी तरफ सवाल यह भी उठता है की यदि यह व्यक्ति पत्रकार था तो फिर बगैर किसी मान्यता और डिग्री के आखिरकार क्लीनिक का संचालन कैसे कर रहा था? तब ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या कहीं क्षेत्र में पत्रकारिता की आड़ में अवैध उगाही तो नहीं की जा रही थीं? ऐसे अनेकों सवाल जनमानस के मन में है लेकिन सवाल यह भी उठता है की समय रहते ऐसे लोगों पर कार्यवाही क्यों नहीं की जाती? अब देखना यह होगा कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा या फिर कुछ बदलेगा।

पहले भी रंगदारी के मामले में हो चुका है गिरफ्तार

अवैध तरीके से क्लीनिक का संचालन करने वाला यह युवक पहले भी रंगदारी के मामले में अपने कुछ साथियों के साथ गिरफ्तार हो चुका है बताया जाता है संभल जनपद के असमोली थाना पुलिस ने इस युवक को अपने साथियों के साथ रंगदारी के मामले में गिरफ्तार किया था।

नेशनल हाईवे पर डीसीएम का टायर फटा, डीसीएम व कंटेनर में लगी आग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में नेशनल हाईवे 9 पर चलती डीसीएम का अचानक टायर फटने से वह अनियंत्रित हो गई जिससे वह सड़क के किनारे खड़े कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्ती की डीसीएम के टायरों में आग लग गई जिसने ई रिक्शा से लदे कंटेनर को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बता दें कि बुधवार की सुबह करीब चार बजे गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर एक बड़ा हादसा हादसा हो गया। मुरादाबाद की ओर जा रही एक डीसीएम का टायर फटने से वह अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा से लदे कंटेनर से टकरा गई। इस टक्कर के बाद डीसीएम के टायरों में आग लग गई, जिसने जल्द ही ई-रिक्शा से लदे कंटेनर को भी अपनी चपेट में ले लिया।हाईवे पर आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। ऋड कमलेश मिश्रा ने बताया कि आग बुझाने के लिए गजरौला स्टेशन से दो और अमरोहा स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं।यह घटना गजरौला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर झनकपुरी के पास हुई। हादसे में कंटेनर में लदे नए ई-रिक्शा पूरी तरह जलकर खाक हो गए, जिससे भारी नुकसान हुआ है। गजरौला इंस्पेक्टर मनोज कुमार के अनुसार, डीसीएम का टायर फटने और उसके अनियंत्रित होने के कारण यह हादसा हुआ।

इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई रैली, मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली निकालने का सिलसिला लगातार जारी है।उसी क्रम में बुधवार को क्षेत्र स्थित कंपोजिट स्कूल नवाबपुरा भूड़ के छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने एक जन-जागरूकता रैली निकाली। इसका उद्देश्य बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। रैली विद्यालय परिसर से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से गुजरी।

बता दें कि रैली का नेतृत्व एआरपी सुनील कुमार ने किया। शिक्षक और पूर्व एआरपी पवन कुमार के मार्गदर्शन में बच्चों ने शिक्षा का महत्व दशार्ती तख्तियां पकड़ी हुई थीं। इस दौरान "घर-घर विद्या दीप जलाओ, लड़का-लड़की सभी पढ़ाओ" और "शिक्षा है अनमोल रतन, पढ़ने का तुम करो जतन" जैसे नारों से अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।अभियान का मुख्य लक्ष्य 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009' के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना है।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक नितिन सिंह, पवन कुमार, भंवरजीत सिंह, प्रियंका त्यागी, साधना शर्मा, अनीता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इसी क्रम में, मंडी धनौरा नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय कमालपुर काजी के वार्षिक उत्सव और परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की उन्नति का आधार है और यह विकास की नई दिशा प्रदान करती है।अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने विद्यार्थियों के अनुशासन और प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और शिक्षकों व अभिभावकों के समर्पण को दशार्ते हैं। उन्होंने सभी से अपने क्षेत्र को ज्ञान और संस्कारों का केंद्र बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

डीएम ने ग्राम एब्जाबाद में पहुंचकर क्राप कटिंग के माध्यम से जांची गेंहू की उत्पादकता

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तहसील अमरोहा के ग्राम एब्जाबाद में पंहुचकर अपनी उपस्थिति में गेंहू की क्रॉप कटिंग सी सी ई, एग्री एप के माध्यम कराई तथा फसल उत्पादन का औसत आंकलन कराया। गाटा संख्या 68, कृषक अख्तर हुसैन के खेत में 43.3 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल में 20.200 किग्रा गेहूं की उपज प्राप्त हुई। इसके साथ उन्होंने गेंहू की कटाई की प्रगति का निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा क्रॉप कटिंग के आधार पर ही उत्पादकता के सटीक आंकड़े

प्राप्त किये जाते हैं। क्रॉप कटिंग से प्राप्त आंकडों के आधार पर ही ओलावृष्टि, अतिवृष्टि एवं अन्य प्रकार से फसल नुकसान और फसल बीमा की मुआवजा राशि का निर्धारण किया जाता है। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित लोगों से क्षेत्र में उत्पादित की जाने वाली प्रमुख फसलों की विभिन्न किस्मो व उत्पादकता संबंधी जानकारी भी प्राप्त की गई।

क्रॉप कटिंग के द्वारा क्षेत्र में फसल की औसत पैदावार निकाली जाती है क्रॉप कटिंग के आधार पर ही जनपद के कृषि उत्पादन के आंकड़े तैयार कर शासन को भेजे जाते है और इसी आधार पर फसल बीमा धारकों को नुकसान का मुआवजा भी दिया जाता है। कृषि विभाग जनपद के समस्त क्षेत्रों के क्रॉप कटिंग के आंकड़ों को संग्रहित करके शासन को भेजता है इसके आधार पर ही जनपद के विभिन्न फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादकता का निर्धारण किया जाता है। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी तथा कृषक उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश से किसान परेशान, फसलों को हो रहा भारी नुकसान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में इन दिनों बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम के अचानक बदले मिजाज के चलते खेतों में खड़ी और कटी दोनों तरह की फसलें प्रभावित हो रही हैं।

मंगलवार को तेज हवाओं के साथ हुई बूंदाबांदी ने क्षेत्र के कई गांवों में किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं की फसल बारिश से भीग गई, जिससे कटाई कार्य प्रभावित हो रहा है।

बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार मौसम में बदलाव हो रहा है। कहीं तेज हवा, कहीं बारिश और कहीं ओलावृष्टि ने फसलों को बुरी तरह प्रभावित किया है। बहजोई क्षेत्र में बीते कुछ दिन पहले करीब डेढ़ घंटे तक हुई बारिश और ओलों ने गेहूं व मक्का की फसल को काफी हद तक बर्बाद कर दिया था।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों, जिनमें संभल भी शामिल है, में बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल पककर तैयार है और कटाई का समय चल रहा है, लेकिन लगातार हो रही बारिश से फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। साथ ही मक्का और सब्जियों को भी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

स्थिति को देखते हुए किसानों ने प्रशासन से फसलों के नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी होने के बाद किसानों की चिंता और भी बढ़ गई है।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने क्षेत्र के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। यदि जल्द ही मौसम साफ नहीं हुआ तो गेहूं सहित अन्य फसलों को और अधिक नुकसान होने की संभावना है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

यूपी हज कमेटी सदस्य का संभल दौरा, हज ट्रेनर्स के साथ की बैठक

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में यूपी हज कमेटी के सदस्य हाफिज ऐजाज अहमद के दौरे के दौरान शहर सम्भल स्थित मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम में बुधवार को हज ट्रेनर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान हाफिज ऐजाज अहमद ने सभी ट्रेनर्स से संवाद करते हुए उन्हें ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों को निभाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने मदरसे में संचालित हज सेंटर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कई स्थानों का दौरा किया है, लेकिन यहां जैसी सुव्यवस्थित व्यवस्था कहीं देखने को नहीं मिली। उन्होंने बताया कि यहां हज यात्रियों का पूरा रिकॉर्ड सुव्यवस्थित रूप से रखा जा रहा है और उनकी हर आवश्यकता के लिए स्टाफ हर समय मौजूद रहता है।

हाफिज ऐजाज अहमद ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो उसे लिखित रूप में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के माध्यम से या सीधे उन्हें भेजा जा सकता है, ताकि उसका शीघ्र समाधान कराया जा सके। उन्होंने ट्रेनर्स के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का शत-प्रतिशत निर्वहन कर रहे हैं।

इस दौरान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने भी आश्वासन दिया कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए उनका कार्यालय सदैव तत्पर है।

बैठक में हज ट्रेनर हाजी नदीम ने कुछ समस्याओं से अवगत कराया, जिन्हें अधिकारी द्वारा संज्ञान में लेकर शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिलाया गया।

कार्यक्रम में जिला हज ट्रेनर अब्दुल खालिक, तकी अशरफ एडवोकेट, मुहम्मद अहमद रजा, उम्मे हबीबा, मुफ्ती आलम नूरी, कारी शाहिद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सीवीआरसेटी बहजोई में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच का समापन कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के सीबीआरसेटी बहजोई द्वारा संचालित जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 फरवरी से शुरू हुआ था, जिसमें जनपद संभल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन किया गया, जिसमें ईडीपी एसेसर राजीव कुमार (चंदौसी) एवं डोमेन एसेसर रितु पाल (मुरादाबाद) ने भाग लिया। मूल्यांकन के दौरान प्रशिक्षुओं से ऑनलाइन परीक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण से संबंधित ज्ञान का मौखिक परीक्षण भी किया गया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान संस्थान की ओर से सभी प्रशिक्षुओं के लिए भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था की गई। अंतिम मूल्यांकन के उपरांत प्रशिक्षुओं ने मूल्यांकनकताओं के साथ स्मृति स्वरूप ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और कौशल को भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के रूप में उपयोग करने की बात कही। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संस्थान के स्टाफ ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक सम्पन्न, 18 मामलों की सुनवाई

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में चल रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र के अंतर्गत बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में बैठक आयोजित की गई। बैठक अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी डॉ प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई।

इस दौरान पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति और सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों की मदद से कुल 18 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 1 मामले का सफल निस्तारण किया गया। वहीं एक पत्रावली में पक्षकार द्वारा बल न देने के कारण उसे अन्य कारणों से बंद कर दिया गया। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मनोहर सिंह, रुचि तथा होमगार्ड करुणा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को आपसी संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाकर परिवारों को टूटने से बचाना है।

रामकथा कार्यक्रम में गुम हुई चार वर्षीय बच्ची को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में आयोजित रामकथा कार्यक्रम के दौरान गुम हुई एक 4 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मात्र 25 से 30 मिनट के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम दतावली थाना हयातनगर निवासी अंजू पत्नी दानवीर अपनी 4 वर्षीय पुत्री के साथ बुधवार शाम बड़े ग्राउंड में रामकथा सुनने आई थीं। इसी दौरान खेलते-खेलते मासूम बच्ची भीड़ में कहीं गुम हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कार्यवाहक प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने तत्काल पुलिस टीम का गठन कर बच्ची की तलाश शुरू कराई। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सघन खोजबीन की। लगभग आधे घंटे के भीतर बच्ची को बड़े ग्राउंड के प्रवेश,निकास द्वार के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने बच्ची को उसके माता-पिता को सौंप दिया, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली।

इस अभियान में कांस्टेबल रोहित कुमार, हरेंद्र सिंह, महिला हेड कांस्टेबल प्रीति (थाना कुढफतेहगढ़) एवं महिला हेड कांस्टेबल कुसुम देवी (थाना चंदौसी) सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे। पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

भूमि, गाय और पर्यावरण के समन्वय पर कार्यशाला आयोजित, सतत विकास पर हुआ मंथन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यशाला में भूमि, गाय और पर्यावरण के पारस्परिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य इन तीनों के समन्वय से समग्र विकास और सतत समृद्धि के मार्ग को समझना रहा।

कार्यक्रम में वन विभाग, कृषि विभाग, गौपालन विभाग, सिंचाई विभाग तथा कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के साथ-साथ विद्यार्थी, किसान, गौशाला संचालक, प्रबंधक और दानदाता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी प्रतिभागियों ने आपसी समन्वय को मजबूत कर बेहतर परिणाम हासिल करने पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने चर्चा के दौरान बताया कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि कृषि और पर्यावरण की महत्वपूर्ण कड़ी है। गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार उत्पाद भूमि की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही इन उत्पादों के उचित विपणन से गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

कार्यशाला में गौशालाओं के बेहतर संचालन, गायों के स्वास्थ्य सुधार और भूमि-पर्यावरण के संतुलन पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गई। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक भूमि, गाय और पर्यावरण के बीच संतुलित समन्वय स्थापित नहीं होगा, तब तक अपेक्षित सकारात्मक परिणाम नहीं मिल सकते।

इस अवसर पर प्रसिद्ध वक्ता राकेश निहाल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने प्रेरक व्याख्यान में इन तीनों तत्वों के महत्व को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित सभी लोग प्रभावित हुए। कार्यशाला का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सभी विभाग, संस्थाएं और समाज के विभिन्न वर्ग मिलकर समन्वित प्रयास करेंगे, जिससे न केवल गायों की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और कृषि विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

जनकल्याण सेवा समिति ने कन्या विवाह में दिया सहयोग, सामाजिक सरोकार की मिसाल

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जनकल्याण सेवा समिति चंदौसी द्वारा बुधवार को समाज सेवा की एक सराहनीय पहल के तहत इस माह भी एक जरूरतमंद कन्या के विवाह में सहयोग प्रदान किया गया। इस संबंध में समिति के सदस्यों की बैठक पूर्णिमा, पत्नी शरद वार्ष्णेय के बैष्णो विहार कॉलोनी स्थित आवास पर आयोजित की गई।

बैठक के दौरान सदस्यों ने सामूहिक रूप से कन्या के विवाह हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई, जिसमें एक शॉल, दो साड़ियां, सूट, दो बेडशीट, दो पैंट-शर्ट, मिक्सी, हॉट केस, विभिन्न गिफ्ट आइटम, मसाले सहित ड्ड2100 की नगद धनराशि शामिल रही।

इस पुनीत कार्य में उपस्थित सभी सदस्यों ने यह संकल्प भी लिया कि यदि उनके संज्ञान में कोई जरूरतमंद कन्या आती है, तो समिति प्रतिमाह कम से कम एक कन्या के विवाह में सहयोग अवश्य करेगी।

सभा में अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय, सचिव भावना गुप्ता, कोषाध्यक्ष मीनू फैंसी, उपाध्यक्ष रेखा रस्तोगी, सीमा फैंसी, संगीता शर्मा, पूनम वार्ष्णेय, दीप्ति, पूर्णिमा, रेखा अग्रवाल, राजेश्वरी, सारिका, रुचि, सोनी रस्तोगी, अनामिका, नीलम, मोना, सीमा सिंह सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के माध्यम से समिति ने समाज में सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

डबल मर्डर का खुलासा:- वाहन लूट के लिए की गई थी हत्या, एक आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

धनारी पुलिस की कार्रवाई, घायल आरोपी अस्पताल भेजा, दो अन्य की तलाश जारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के थाना धनारी पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ के दौरान एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त मनोज (20) पुत्र महावीर को पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु सीएचसी बहजोई भेजा गया। उपचार के बाद उसे न्यायालय चंदौसी में पेश किया गया। 4 अप्रैल को ग्राम मलुआ निवासी रामसरन ने अपने भाई नरेश (41) और भतीजे भीमसैन (19) के लापता होने की सूचना थाना धनारी में दी थी। दोनों 2 अप्रैल को मेरठ से मजदूर लाने के लिए बुलेरो पिकअप लेकर गए थे, जिसके बाद से उनका मोबाइल बंद हो गया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर सर्विलांस और अन्य माध्यमों से तलाश शुरू की। 6 अप्रैल को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसी बीच जनपद शामली क्षेत्र में खेतों से दो शव बरामद हुए, जिनकी पहचान नरेश और भीमसैन के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर मामले में धाराएं बढ़ाई गईं। जांच में सामने आया कि अभियुक्त मनोज ने अपने साथियों अरविंद पुत्र जोगेंद्र और संतोष पुत्र जोगेंद्र के साथ मिलकर वाहन लूटने की योजना बनाई थी। तीनों ने नरेश और भीमसैन की गाड़ी बुक कर उन्हें अपने साथ ले जाकर गला दबाकर हत्या कर दी और शवों को शामली के खेतों में छिपा दिया। इसके बाद आरोपी बुलेरो पिकअप लेकर फरार हो गए। पुलिस ने सर्विलांस और साक्ष्यों के आधार पर मनोज को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके दोनों साथियों की तलाश जारी है। साथ ही लूटा गया वाहन बरामद करने के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले का पूर्ण खुलासा किया जाएगा।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बहजोई इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यमिशन शक्ति विशेष अभियान (फेज-05) के द्वितीय चरण के अंतर्गत बुधवार को कृष्ण मुरारी मनोरमा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर बबीता रानी, पूजा सिंह एवं प्रज्ञा शर्मा (चाइल्ड हेल्पलाइन) द्वारा छात्राओं एवं विद्यार्थियों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, बाल विवाह और बाल श्रम जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही आपातकालीन स्थिति में उपयोगी हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181, 112, 1076, 102 और 108 के बारे में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र मोहन सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को जागरूक बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना रहा।

खुर्जा में भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर भाकियू महाशक्ति का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खुर्जा /बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने आज मुख्यमंत्री के नाम उपजिलाधिकारी खुर्जा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में खोर्जा नगरपालिका में तैनात अधिशासी अधिकारी अनवर हुसैन पर गंभीर आरोप लगाए गए। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि नगरपालिका क्षेत्र में टूटी सड़कों और नालों के निर्माण की मांग को लेकर कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं,

लेकिन 32 से 35 प्रतिशत कमीशन न देने पर टेंडर जारी नहीं किए जा रहे हैं। इसके कारण बरसात में जलभराव हो रहा है और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि गरीबों को मिलने वाले आवास के नाम पर 50 हजार रुपये तथा नक्शा पास कराने के लिए एनओसी देने के नाम पर 1 से 2 लाख रुपये तक की मांग की जा रही है। पैसा न देने पर लोगों को महीनों तक चक्कर कटवाए जा रहे हैं,

जिससे क्षेत्र की जनता परेशान है। इस दौरान विष्णु दत्त त्यागी, चौधरी विक्रम सिंह, मनोज शर्मा, नरेंद्र कुमार सिंह, संगीता सिंह, भुद्दू प्रधान, पिंटू राघव, ऋषि प्रताप सिंह, विजय सोलंकी, कोमल ठाकुर, रवींद्र सोलंकी, संजीव शर्मा, दिनेश रघुवंशी, संजीत कुमार, हरवंश शर्मा, ललित तोमर, पवन कुमार, देवेंद्र सैनी, अरशद, फारूक, सोनू, अल्ताफ, मनोज, अकरम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोवध निवारण अधिनियम से जुड़े एक मामले में पुलिस अभियुक्त से घटना में प्रयुक्त वाहन व उपकरण किए बरामद

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में गोवध निवारण अधिनियम से जुड़े एक मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त वाहन और पशु वध के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पूर्व में दर्ज मुकदमे में कार्रवाई करते हुए संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही थी। पुलिस के अनुसार इस मामले में पहले भी कई नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक अभियुक्त द्वारा न्यायालय में आत्मसमर्पण किया गया था। इसी क्रम में थाना मंडावर पुलिस ने अभियुक्त अहसान पुत्र निसार निवासी ग्राम कल्हैडी थाना नजीबाबाद को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की, जिसके आधार पर एक लकड़ी का चापड़, दो लोहे के छुरे तथा एक महेन्द्रा बोलेरो पिकअप (नं0 UP20AT4674) बरामद की गई।

पुलिस के अनुसार बरामदगी की कार्रवाई अभियुक्त की निशानदेही पर की गई है तथा मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है। पुलिस का कहना है कि इस प्रकरण में शामिल अन्य बिंदुओं की भी जांच की जा रही है।

तालीम से ही तरक्की का रास्ता, स्योहारा में तालीमी बेदारी मीटिंग आयोजित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- तालीम हासिल करो तालीम के बगैर तरक्की एक ख्वाब है इसी पैगाम के साथ स्योहारा के रोज गार्डन में मनिहार समाज की एक महत्वपूर्ण तालीमी बेदारी मीटिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनाब सादिक हुसैन (न्यायिक मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद एवं फाउंडर, तालीमी बेदारी मिशन अलीगढ़) ने शिरकत की। इस अवसर पर स्योहारा, शेरकोट, नजीबाबाद, उमरी, कांठ और नगीना से आए समाज के जिम्मेदार लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मुख्य अतिथि सादिक हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में तालीम ही वह मजबूत जरिया है, जिससे समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने जिला बिजनौर के लोगों से अपील की कि वे समाज में जागरूकता फैलाएं, भाईचारे को मजबूत करें और घर-घर जाकर तालीम की अहमियत समझाएं। उन्होंने बताया कि तालीमी बेदारी मिशन अलीगढ़ बच्चों को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (अटव) और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराता है। आगामी सत्र के लिए जुलाई से दाखिले शुरू होंगे, जिसमें बिजनौर के अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर तैयारी के लिए भेज सकते हैं। मीटिंग में जावेद अख्तर ने कहा कि जिले के सभी कस्बों में टीम बनाकर तालीम के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही हाजी खालिद सिद्दीकी द्वारा चलाए जा रहे भाईचारे के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। शेरकोट निवासी रफीक अहमद (मुस्लिम फंड मैनेजर) ने कहा कि तालीम की बदौलत ही वे आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं और समाज के हर बच्चे को शिक्षा से जुड़ना चाहिए।

इंजीनियर मो. सलमान सिद्दीकी और आईटी प्रोफेशनल जीशान सिद्दीकी ने भी भरोसा दिलाया कि वे अपनी टीम के साथ मिलकर मिशन को मजबूत करेंगे और अधिक से अधिक बच्चों को अटव और जामिया की तैयारी कराएंगे। अंत में बबलू भाई ने गरीब बच्चों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

बरखेड़ा चौहान में नाले पर कब्जे से जलभराव, ग्रामीणों ने सीओ को सौंपा ज्ञापन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा चौहान में गंदे पानी की निकासी बाधित होने से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के दक्षिण दिशा में पंचायत द्वारा बनाया गया सरकारी नाला, जिससे पूरे गांव का गंदा पानी जंगल और खाद के गड्ढों की ओर जाता था, उस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। बताया गया कि समर सिंह और शिव कुमार सिंह ने नाले को काटकर अपने खेत में मिला लिया और उस पर लिंटर का हॉल, ट्यूबवेल की कोठरी तथा पानी का हौज बना दिया, जिससे जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। स्थिति यह है कि पानी का बहाव रुक जाने से सैनी समाज के मोहल्ले सहित पूरे गांव में जलभराव और कीचड़ फैल गया है। इससे बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है और गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस अतिक्रमण का विरोध किया तो उन्हें धमकाया गया, जिससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले को अतिक्रमण मुक्त कराकर जल निकासी व्यवस्था को शीघ्र बहाल किया जाए। ज्ञापन देने वालों में हिमांशु सैनी, मनोज कुमार, राजवीर सिंह सहित कई ग्रामीण शामिल रहे। अब इस मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई।

नजीबाबाद हाईवे पर क्रॉसिंग को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

नजीबाबाद/बिजनौर(सब का सपना):- नजीबाबाद हाईवे (NH-34) पर लंबे समय से चली आ रही क्रॉसिंग की मांग उस समय अचानक तेज हो गई, जब देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के कर्मचारी कथित रूप से क्रॉसिंग बंद करने के लिए मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को जैसे ही इसकी सूचना मिली, वे बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रात के अंधेरे में इस तरह की कार्रवाई करना अनुचित है।

जानकारी के अनुसार यह मार्ग पहले ठल्ल-74 के नाम से जाना जाता था और अब ठल्ल-34 के रूप में नजीबाबाद को जोड़ते हुए आगे हरिद्वार तक जाता है। हाल ही में इस हाईवे का निर्माण किया गया है। निर्माण के दौरान ग्राम झलरा के ग्रामीणों ने गांव के सामने अंडरपास की मांग की थी, लेकिन उन्हें क्रॉसिंग देने का आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। अब ग्रामीणों का कहना है कि न तो अंडरपास दिया गया और न ही क्रॉसिंग बनाए रखने की सहमति मिल रही है।

बताया जाता है कि 23 अप्रैल 2024 को भी प्रधान संघ, ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों ने इस संबंध में मांग उठाई थी। इसके बावजूद बुधवार की रात करीब एक बजे एनएचएआई के कर्मचारी मशीनों के साथ पहुंचे और क्रॉसिंग को बंद करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिन्हें देखकर कर्मचारी वापस लौट गए।

यह मार्ग नगीना, नजीबाबाद और हरिद्वार को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिसके बीच दर्जनों गांव स्थित हैं। क्षेत्र के किसानों का गन्ना भी इसी रास्ते से परिवहन होता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यहां क्रॉसिंग नहीं दी गई तो उन्हें लंबा चक्कर लगाकर हाईवे पार करना पड़ेगा, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है।

घटना के बाद सुबह ग्राम प्रधान अवनीश और सुभाष के नेतृत्व में किसान यूनियन के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। वहीं, झलरा निवासी राष्ट्रीय लोकदल छात्र सभा के जिला महासचिव अहमद नवाब शाहबाज भी ग्रामीणों के साथ मौके पर मौजूद रहे। अब इस मामले में प्रशासनिक हस्तक्षेप और संतुलित समाधान की उम्मीद जताई जा रही है।

जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक से लदे वाहनों को रोककर की सख्त जांच

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार एक्शन मोड में आ गए हैं। जहां उन्होंने सड़कों पर दौड़ रहे उर्वरक से लदे वाहनों को रोककर सख्त जांच शुरू कर दी है। बुधवार को उन्होंने ट्रकों और ई-रिक्शा को रोका तथा पूरी जांच की। अधिकारी का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों को उनकी जोत के अनुसार ही उर्वरक वितरित किए जाएं और कालाबाजारी या अतिरिक्त स्टॉकिंग न हो। मनोज कुमार ने स्पष्ट किया कि एक हेक्टेयर जमीन के लिए खरीफ सीजन में अधिकतम सात बैग यूरिया और जरूरी फास्फेटिक उर्वरक ले जा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि फिलहाल उतना ही उर्वरक खरीदें जितनी वास्तविक जरूरत हो, ताकि सभी किसानों तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन ने उर्वरक विक्रेताओं को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि निर्धारित दर पर ही बिक्री की जाए। वर्तमान में जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बताई जा रही है। अधिकारी का यह सक्रिय अभियान किसानों के हित में काला बाजारी रोकने और उचित वितरण व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिजनौर की रोडवेज बस में चालक का शव मिलने से सनसनी फंदे पर लटका मिला धर्मेंद्र का शव

अनुबंधित बस में गमछे से लगाई फांसी, पारिवारिक कलह की आशंका, चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर रोडवेज परिसर में आज सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अनुबंधित बस के भीतर चालक का शव फंदे से लटका मिला। घटना से डिपो में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, बिजनौर डिपो की अनुबंधित बस संख्या वढ 81 इळ 6614 में चालक के रूप में कार्यरत धर्मेंद्र (33 वर्ष), निवासी मोहल्ला मुश्तरक, मीरापुर (मुजफ्फरनगर) ने बस के अंदर ही गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जब बस कंडक्टर सलमान ने चालक को फोन किया और कॉल रिसीव नहीं हुआ, तो वह मौके पर पहुंचा। बस के अंदर का मंजर देखकर उसके होश उड़ गये।धर्मेंद्र फंदे पर झूल रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही एआरएम अशोक कुमार ने पुलिस को अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र 4 अप्रैल से ही इस बस पर ड्यूटी कर रहा था। इससे पहले वह मीरापुर-मुजफ्फरनगर रूट पर प्राइवेट बस चलाता था। प्रारंभिक जानकारी में आत्महत्या के पीछे पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। परिजनों के अनुसार, उसकी पत्नी मानसिक रूप से अस्वस्थ थी, जिससे वह परेशान था।

धर्मेंद्र अपने पीछे चार मासूम बच्चों को छोड़ गया है। लगभग 15 साल पहले उसकी शादी हुई थी। अचानक हुई इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, वहीं डिपो में भी शोक का माहौल है।

फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि धर्मेंद्र की अपनी पत्नी से अनबन रहती थी,जिससे वह परेशान था। रोडवेज के एआरएम अशोक कुमार ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना का उन्हे बेहद मलाल है।

पलक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर डीएम से मिले प्रतिनिधि, निष्पक्ष जांच की उठाई आवाज

बिजनौर (सब का सपना):- महाराज मुकट सिंह शेखावत संस्थान के बैनर तले हिंदूवादी नेता जितेंद्र बैस के नेतृत्व में दर्जनों लोग जिलाधिकारी से मिले और कुमारी पलक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम तखनपुरी निवासी संजीव कुमार की पुत्री पलक 22 मार्च 2026 की शाम चांदपुर स्थित लाइब्रेरी से पढ़ाई कर स्कूटी से घर लौट रही थी। इसी दौरान चांदपुर-धनौरा मार्ग पर ग्राम हरपुर के पास करीब शाम 7 बजे एक बाइक सवार ने, जो कथित रूप से नशे की हालत में था, तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पलक की स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में पलक गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई।

घायल पलक को अर्धबेहोशी की स्थिति में उपचार के लिए पास के एक निजी चिकित्सक के यहां ले जाया गया, जहां उसके पिता भी पहुंच गए। इसी दौरान मौके पर पहुंची एक कार में सवार कुछ लोग कथित रूप से आरोपी बाइक सवार को अपने साथ ले गए।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, घटना के संबंध में थाना चांदपुर में तहरीर दी गई, जिस पर पुलिस ने चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि पलक का इस मामले में कोई दोष नहीं होने के बावजूद उसे ही प्रकरण में शामिल कर लिया गया है, जो अन्यायपूर्ण है। संस्थान के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो तथा पलक को न्याय दिलाया जाए। इस दौरान जितेंद्र बैस ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो सर्वसमाज के साथ आगे की रणनीति बनाते हुए पंचायत या महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

नि:शुल्क ईएनटी जांच शिविर, 105 मरीजों की जांच कर दी गई स्वास्थ्य संबंधी सलाह

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के किरतपुर क्षेत्र के ग्राम भनेड़ा में बुधवार को आयोजित नाक, कान और गला (ईएनटी) के निःशुल्क जांच शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर लाभ उठाया। ग्राम पंचायत भवन में लगे इस शिविर का आयोजन पत्रकार अशोक कुमार गुप्ता के सौजन्य से किया गया, जिसमें कुल 105 मरीजों की विशेषज्ञ द्वारा जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

शिविर में नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ डॉ शोभित पुष्पक ने मरीजों की बारीकी से जांच की और उन्हें उनकी समस्याओं के अनुसार उपचार संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। खासतौर पर ठंडे पेय पदार्थों का अधिक सेवन गले और नाक में संक्रमण को बढ़ा सकता है, जिससे सर्दी, खांसी, गले में खराश और एलर्जी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने लोगों को स्वच्छता, संतुलित आहार और समय पर इलाज कराने की सलाह भी दी।

शिविर में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। कई मरीज लंबे समय से नाक बंद रहने, कान में दर्द, सुनाई कम देने और गले में खराश जैसी समस्याओं से परेशान थे, जिन्हें विशेषज्ञ द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया गया। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को काफी हद तक पूरा करते हैं।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान कैलाश पाल, जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान नगला इस्लाम तौफीक अहमद, पूर्व ग्राम प्रधान जाहिद, विजय पाल सिंह, नितिन अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। साथ ही फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधि राहुल शर्मा (वेल्स फार्मास्युटिकल), तेज पाल सिंह (गुजरात टार्स फार्मा) और राजीव डबास (मैक केयर फार्मा) ने भी शिविर में सहयोग किया।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा जताई, ताकि गांव स्तर पर ही लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के सदस्यों ने एसडीएम से की पुलिस कार्यवाही रोकने की मांग

अंबेडकर जयंती का 1980 से शांतिपूर्ण आयोजन का दिया हवाला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र के सलेमपुर गौसांई गांव में 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से पहले तनाव बढ़ गया है। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) विभा श्रीवास्तव को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर पुलिस द्वारा जयंती से पूर्व की जाने वाली संभावित निरोधात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। बता दें कि इस बारे में जानकारी देते हुए संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि गांव सलेमपुर गौसांई में वर्ष 1980 से लगातार बाबा साहेब की शोभायात्रा निकाली जा रही है। पिछले चार दशकों में इस आयोजन के दौरान कभी भी शांति व्यवस्था भंग नहीं हुई और न ही कोई विवाद सामने आया है।प्रार्थी सुरेश, हितेश कुमार और डॉ. संजय ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय लोग द्वेषवश संघ के सक्रिय सदस्यों के नाम पुलिस को दे देते हैं। इसके बाद थाना पुलिस बिना किसी ठोस आधार के उन पर शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई कर देती है।प्रार्थना पत्र में सुरेश शर्मा, भारत सिंह, हितेश, योगेश, राजकुमार, सुभाष, सतीश, सोनू, डॉ. संजय, मिन्टू, धर्मेंद्र और विनीत सहित करीब दो दर्जन युवाओं के नामों का उल्लेख किया गया है। संघ का कहना है कि इन निर्दोष युवाओं को हर वर्ष कानूनी उलझनों में फंसाया जाता है, जिससे जयंती के उल्लास में बाधा आती है।इस संबंध में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई (पाबंद करना) थाना पुलिस के स्तर से की जाती है। हालांकि, युवक संघ ने मांग की है कि बिना किसी ठोस शिकायत या साक्ष्य के किसी भी सदस्य के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।इस अवसर पर मुख्य रूप से सुभाष चंद्र, सोनू राम सिंह, हरवीर, राजवर्धन और आकाश सहित संघ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान, चार ग्राम प्रधान महात्मा गांधी स्मृति चिन्ह से सम्मानित

जहांगीराबाद/बुलंदशहर(सब का सपना):- भारत देश के प्रधान मंत्री के 'टीबी मुक्त भारत अभियान' को धरातल पर उतारने और क्षय रोग के उन्मूलन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहांगीराबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित इस कार्यक्रम में ब्लॉक की चार ग्राम पंचायतों के प्रधानों को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। भारत सरकार का लक्ष्य 2025 तक देश को टीबी मुक्त

बनाना है। इसी क्रम में जहांगीराबाद ब्लॉक में सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। सम्मानित होने वाले प्रधानों ने भविष्य में भी अपने गांवों को स्वस्थ और रोगमुक्त रखने का संकल्प दोहराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार द्वारा चारों ग्राम प्रधानों को महात्मा गांधी का स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। इस दौरान डॉ. विपिन कुमार ने कहा कि टीबी जैसी बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए सामुदायिक भागीदारी अनिवार्य है। ग्राम प्रधानों ने अपने क्षेत्रों में मरीजों की पहचान करने, उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने और 'निक्षय मित्र' योजना के तहत सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने टीबी उन्मूलन के लक्ष्यों पर चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से गिरेन्द्र सिंह (STLS), यश कुमार (STS), सतीश कुमार (TBHV), डॉ. राशिद, डॉ. योगेश कुमार उपस्थित रहे।

सीसी रोड का विधायक ने किया लोकार्पण, सुनी लोगों की समस्या

छतारी/बुलंदशहर (सब का सपना):- त्यौर बुजुर्ग में करीब 55 लाख रुपए की लागत से निर्माण संपर्क मार्ग एवं नवनिर्मित सीसी रोड का शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा ने फीता कटकर लोकार्पण किया गया। उन्होंने भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकताओं को पत्रक बांटकर कार्यक्रम भी मनाया। विधायक ने लोगों को संगठन की योजनाओं सहित नीतियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के उपरांत विधायक अनिल शर्मा ने लोगों की समस्या सुनकर समाधान कराया।

छतारी के गांव त्यौर बुजुर्ग में बुधवार को संपर्क मार्ग सहित नवनिर्माण सीसी रोड लोकार्पण कार्यक्रम का

आयोजन किया। सड़क लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा, पहासू मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, अनिल सूर्यवंशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सड़क निर्माण प्राथमिकता में है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सरकार गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उसी दौरान भाजपा के स्थापन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं को पत्रक बांटकर मनाया। इसी दौरान उन्होंने संगठन की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम के उपरांत विधायक ने मौजूद लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. ऋषि शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, सांसद प्रतिनिधि मनोज गर्ग, होल्कर सेना जिलाध्यक्ष मुकेश बघेल, शिवकुमार, ठाकुर धर्मेंद्र सिंह, ध्रुव शर्मा, राहुल पाठक, पीडब्ल्यूडी के जेई मुशर्रत भाटी, फैशल हाफिज, प्रदीप, अंकुर चौहान आदि मौजूद रहे।

शिवसेना जिला संगठन मंत्री बने हरकेश चंद

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शिवसेना के जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ शिवसैनिक हरकेश चंद को जिला संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। संगठन के प्रति उनकी कर्मठता, जुझारू स्वभाव और लंबे समय से सक्रिय योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर उन्हें उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विचारों तथा

शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प दिलाया गया। जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में मौजूद शिवसैनिकों ने भी हरकेश चंद का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो गंभीर घायल

औरंगाबाद/ बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के औरंगाबाद कस्बे में मंगलवार शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार तीन युवक बाइक से बुलंदशहर-स्याना स्टेट हाईवे पर स्याना की ओर जा रहे थे। कर्बला के पास एक टैंकर को

ओवरटेक करते समय बाइक सड़क किनारे कीचड़ में फिसल गई। हादसे में राहुल उर्फ बादल (निवासी मीरपुर, हरदोई) टैंकर की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शिवम (निवासी ढकरौली, बुलंदशहर) और अरमान (निवासी सीकरी कलां, मोदीनगर) गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। घायलों को सीएचसी लखावटी में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि तीनों दोस्त नोएडा में रहकर पढ़ाई और नौकरी करते थे तथा एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गांव जा रहे थे। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है।

गैंगस्टर व लूटपाट के आरोपी को 2 साल की सजा, 13 हजार का जुमार्ना

बुलन्दशहर (सब का सपना):- विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट व लूटपाट के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के कारावास और ड्ड13 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने बताया कि महमूदपुर निवासी पिंटू पुत्र बृजेश अपने गैंग लीडर कुंवरपाल के साथ मिलकर अवैध हथियारों के बल पर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। मामला 10 नवंबर 2008 का है, जब अलीगढ़ के डेटा सैदपुर निवासी ब्रह्मजीत अपने भाई के साथ जहांगीराबाद मंडी से धान बेचकर लौट रहे थे। रास्ते में आरोपियों ने तमंचे के बल पर उनसे करीब 58 हजार नकद व मोबाइल फोन लूट लिए थे और जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट व आईपीसी की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) चंद्रविजय श्रीनेत की अदालत ने आरोपी पिंटू को दोषी पाते हुए अलग-अलग धाराओं में 2-2 वर्ष की सजा व कुल 13 हजार का जुमार्ना लगाया।

ऋण घोटाले में आरोपितों को लेकर हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला, आरोपितों को बड़ा झटका

चंडीगढ़ : बहुचर्चित 35 करोड़ रुपये के ऋण (लोन) घोटाले में आरोपितों को बड़ा झटका देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एफआइआर रद करने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों से प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी के गंभीर तत्व सामने आते हैं. ऐसे में जांच को रोकना या उसमें हस्तक्षेप करना न्यायसंगत नहीं होगा। जस्टिस मनीषा बत्रा की पीठ ने पी परमासिवम महालिंगम, शर्मिला आनंद और संतोष महालिंगम द्वारा दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकताओं ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-3 थाने में दर्ज एफआइआर को रद करने और मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने की मांग की थी। शिकायतकर्ता कंपनी एमएसपीएम फिनकैप लिमिटेड ने आरोप लगाया कि आरोपितों ने दो ट्रस्टों के माध्यम से मेडिकल और डेंटल कालेज के विस्तार के नाम पर करीब 35 करोड़ रुपये का लोन लिया। आरोप है कि लोन के लिए जिस जमीन को सुरक्षा (सिक्योरिटी) के रूप में दिखाया गया, उस पर पहले से ही अन्य वित्तीय समझौते और चार्ज मौजूद थे, जिन्हें जानबूझकर छिपाया गया। शिकायत में यह भी कहा गया कि लोन राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति करने की बजाय उसे अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिया ।

कोसली में 'बंदरों का कर्फ्यू': घर में कैद होकर रह गए ग्रामीण, 50 से ज्यादा लोग हो चुके है घायल

रेवाड़ी/कोसली : कोसली क्षेत्र के मल्लूपुरा नंदयान मोहल्ले में बंदरों का आतंक बढ़ गया है। बंदरों के हमलों में अब तक 50 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। गांव के माता देवी मंदिर में पहले बुजुर्ग महिलाएं रोज भजन-कीर्तन के लिए जाती थीं, लेकिन अब बंदरों के डर से उन्होंने मंदिर जाना छोड़ दिया है। कई महिलाओं को मंदिर जाते समय बंदरों ने काट लिया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 300 से ज्यादा बंदरों का झुंड मोहल्ले और सड़कों पर बैठा रहता है। राहगीरों पर ये अचानक हमला कर देते हैं। कोसली रेलवे स्टेशन पर भी यात्री बंदरों से परेशान हैं। बंदर कई बार यात्रियों का सामान छीन लेते हैं और उन पर हमला कर देते हैं। लोगों का कहना है कि इस बारे में कई बार प्रशासन को शिकायत दी गई, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। अब ग्रामीण रेवाड़ी में लगने वाले समाधान शिविर में अपनी मांग उठाने की तैयारी कर रहे हैं। सरपंच बोले, जल्द पकड़े जाएंगे बंदर कोसली गांव के सरपंच रामकिशन ने कहा कि बंदर पकड़ने वालों से बात हो चुकी है। जल्द ही बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि गांव और राहगीरों की सुरक्षा हो सके।

विकास भवन में विजिलेंस का ट्रैप, डीपीआरओ गिरफ्तार शिकायत पर कार्रवाई, रिश्वत लेते अधिकारी दबोचा गया

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन में तैनात अपर जिला पंचायत राज अधिकारी/प्रभारी डीपीआरओ रिजवान अहमद को सतर्कता अधिष्ठान बरेली की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को हुई इस कार्रवाई ने पूरे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मचा दिया है और भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी अधिकारी ने एक शिकायतकर्ता से पूर्व में ग्राम पंचायतों में कराए गए छह विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच के निस्तारण के नाम पर 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता

को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और जांच लंबित थी। इसी को खत्म करने के एवज में रकम की मांग की गई।

बताया गया कि शिकायतकर्ता ने रकम अधिक होने की बात कही, जिस पर आरोपी अधिकारी ने खुद ही राशि घटाकर 20 हजार रुपये तय कर दी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की लिखित शिकायत सतर्कता अधिष्ठान बरेली से की। प्राथमिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। निर्धारित योजना के तहत बुधवार को जैसे ही शिकायतकर्ता ने 20 हजार रुपये नकद दिए, विजिलेंस टीम ने मौके पर ही छापा मारकर रिजवान अहमद को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम आरोपी को अपने साथ ले गई और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सतर्कता अधिष्ठान के अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद विकास भवन में कर्मचारियों के बीच दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा। अचानक हुई इस गिरफ्तारी ने न केवल विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी सख्त संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

साढ़े तीन साल में 40 से ज्यादा शिशुओं की तस्करी, 9 आरोपी दबोचे गए

बहादुरगढ़ः नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह द्वारा अंजाम दिए गए नवजात शिशुओं की खरीद फरोख्त के मामलों की फेहरिस्त कहीं ज्यादा लंबी है। अभी तक पूछताछ में रही पुलिस को इस गिरोह द्वारा 40 से ज्यादा नवजात शिशुओं को बेचने का पता चल चुका है। पुलिस की टीमें सभी मामलों का पता लगाने में जुट गई हैं। यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। यह गिरोह करीब साढ़े तीन साल से इस अवैध खरीद-फरोख्त में जुटा था। अभी तक इस मामले में कुल नौ आरोपित पकड़े जा चुके हैं। जांच में पुलिस को अभी तक करीब 40 से अधिक मामलों का पता चल चुका है। देश के कई राज्यों में नवजात शिशु बेचे गए हैं। इन सभी मामलों में बच्चों को दो से तीन लाख में खरीदा गया और आठ से नौ लाख में बेचा गया। शुरूआत में गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा गया था। जिनमें एक महिला बेअंत कौर है, जो पंजाब के मुक्तसर की रहने वाली है। जबकि दो पुरुष सदस्यों में सलीम अहमद और आकिल मलिक हैं, जो गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

एमएसपी के दावे फेल, किसान खून के आंसू रो रहा है, अनाज मंडी पहुंचे राव नरेंद्र का बीजेपी सरकार पर बड़ा हमला

सोनीपत : हरियाणा कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष राव नरेंद्र ने सोनीपत की नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लिया और सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान खून के आंसू रो रहा है, और किसानों को गेहूं मंडी तक लाने में परेशानी हो रही है। उनका आरोप है कि एजेंसियां किसानों को नमी के नाम पर परेशान कर रही हैं और सरकार के एमएसपी पर गेहूं खरीदने के दावे फेल हो रहे हैं। नए नियमों से किसान लगातार परेशान हैं। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के पांच विधायकों पर कार्रवाई के बारे में राव नरेंद्र ने कहा कि उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी और अनुशासन कमेटी की रिपोर्ट आलाकमान को भेजी जा चुकी है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर विधायकों ने अपनी आत्मा से वोट दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि उन्हें कांग्रेस की टिकट

पर आम जनता ने जिताया था, लेकिन उन्होंने गद्दारी की।

वहीं सरकार पर निशाना साधते हुए राव नरेंद्र ने कहा कि बीजेपी ने अपने पदाधिकारी को तीसरे उम्मीदवार के तौर पर उतारकर लोकतंत्र की हत्या की है और राज्यसभा चुनाव में बाहुबल और सत्ता का दुरुपयोग किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विधायकों पर हॉर्स ट्रेडिंग के लिए दबाव बनाया गया था।

वहीं चौधरी वीरेंद्र सिंह और बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा पर राव नरेंद्र ने कहा कि यह कांग्रेस की आधिकारिक यात्रा नहीं है और जो नेता इसमें शामिल होना चाहते हैं, वे हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है और इस यात्रा से कांग्रेस और मजबूत हो रही है। वही कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज को आगे भी इसी तरह उठाती रहेगी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव, लिया गया ये फैसला

बहादुरगढ़ : झज्जर जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए गठित जिला स्तरीय कमेटी को वापस ले लिया गया है। अब गैस डिस्ट्रीब्यूटर सीधे कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध करा सकेंगे। बहादुरगढ़ के एसडीएम अभिनव सिवाच ने बताया कि शादी समारोह के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर प्राथमिकता के आधार पर दिए जाएंगे। साथ ही डिस्ट्रीब्यूटर को सिलेंडर वितरण का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। एसडीएम का कहना है प्रियॉरिटी सेक्टर्स को भी प्राथमिकता से कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह निर्देश रेगुलेशन ऑफ कमर्शियल सिलेंडर सप्लाई ऑर्डर के तहत जारी किए गए हैं। एसडीएम अभिनव सिवाच ने बताया कि कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि नागरिकों को सिलेंडर को लेकर किसी प्रकार की परेशानी होती है तो संबंधित लोगों पर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गंदगी देख भड़के नगर परिषद अधिकारी: अंबाला की इस मार्केट में पुलिस के साथ मारा छापा, दुकानदारों में हड़कंप

अंबाला : अंबाला कैंट की प्रसिद्ध मच्छी मार्केट में आज उस समय हड़कंप मच गया जब नगर परिषद की टीम भारी पुलिस बल के साथ औचक निरीक्षण करने पहुँची। गंदगी, सड़कों पर अवैध कब्जे और ट्रैफिक जाम की बढ़ती शिकायतों के बाद प्रशासन ने आज कड़ा रुख अख्तियार किया और नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। भारी पुलिस बल के साथ औचक निरीक्षण नगर परिषद के अधिकारियों ने जैसे ही मार्केट में कदम रखा, दुकानदारों में खलबली मच गई। टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था ताकि किसी भी प्रकार के विरोध को नियंत्रित किया जा सके। अधिकारियों ने मौके पर सड़क किनारे खड़े वाहनों और दुकानों के बाहर फैली गंदगी का जायजा लिया और तुरंत चालान काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी।लापरवाही पर भारी जुमार्ना और सख्त हिदायत कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़ी एक गाड़ी का मौके पर ही 10,000 रुपये का चालान काटा गया। नगर परिषद के अधिकारी सुनील कुमार ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा

कि उन्हें सफाई के लिए केवल 2 घंटे का समय दिया जा रहा है। यदि निर्धारित समय के बाद भी गंदगी पाई गई, तो अगला चालान सीधे 20,000 रुपये का होगा। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि हर दुकान के आगे शीशा लगा होना अनिवार्य है और खून व अवशेषों के निपटान के लिए एक मुख्य हॉल बनाया जाए। वहीं दूसरी ओर, प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से दुकानदार खासे नाराज और परेशान दिखे। दुकानदारों का तर्क है कि यह एक व्यावसायिक मार्केट है, जहाँ गाड़ियों का आना-जाना स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उन्हें गाड़ियाँ खड़ी करने के लिए कोई निश्चित जगह या पार्किंग स्थल उपलब्ध नहीं कराया है। साथ ही, दुकानदारों ने शिकायत की कि नगर परिषद की ओर से यहाँ न तो कोई सफाई कर्मचारी आता है और न ही कूड़ा उठाने वाली ट्रॉली, जिसके कारण अव्यवस्था फैलती है।स्वच्छता मानकों को लेकर प्रशासन का अल्टीमेटम

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़कों पर मछलियों के अवशेष और गंदा पानी बहाने से इलाके में न केवल दुर्गंध फैल रही है, बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। नगर परिषद ने सभी दुकानदारों को स्वच्छता मानकों को पूरा करने के लिए एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि एक सप्ताह के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो दुकानों को सील करने जैसी कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

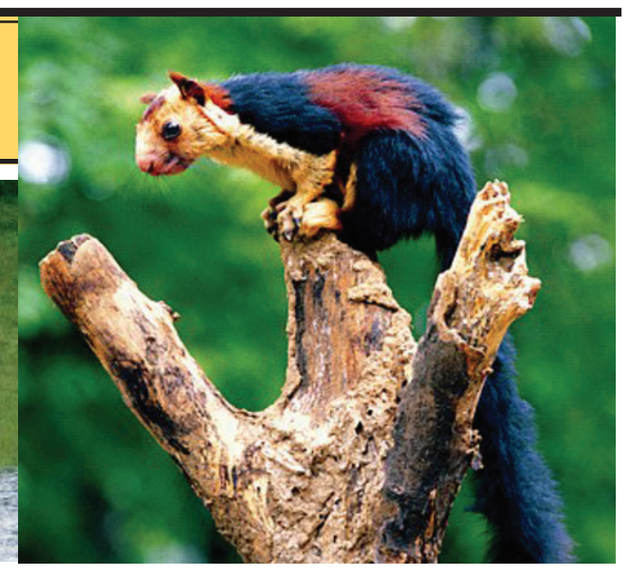

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार ~ केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

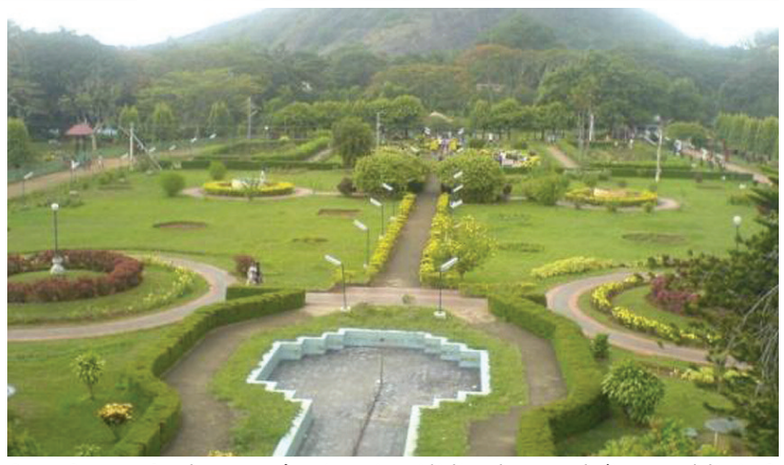

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।' 'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।